अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय महिला:
सत्य आधारित दृष्टिकोण

आयोजक

संवर्धिनी न्यास, नई दिल्ली
दून विश्वविद्यालय, देहरादून
एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई

संवर्धिनी न्यास

DOON UNIVERSITY
2005

SNDT WOMEN'S UNIVERSITY
Estb:1916

आयोजक परिचय

सवंर्धिनी न्यास राष्ट्र सेविका समीति का एक आयाम है जो भारतीय महिलाओं के सर्वांगीण शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए समर्पित है। संवर्धिनी न्यास महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर तथा आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में सक्रिय है जिससे उनकी क्षमता, बुद्धिमत्ता, कार्यकुशलता, रचनात्मकता एवं ज्ञान का राष्ट्र निर्माण में अधिकतम उपयोग किया जा सके।

दून विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड राज्य का शासकीय विश्वविद्यालय है जो उच्च शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करने के लिए समर्पित है। विश्वविद्यालय ने पिछले एक दशक से भी अधिक की शैक्षणिक यात्रा में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय नौ स्कूलों के अंतर्गत संचालित स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है।

एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय न सिर्फ भारत बल्कि दक्षिण पूर्व एशिया का पहला महिला विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना वर्ष 1916 में महिलाओं की उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई। विश्वविद्यालय औपचारिक और अनऔपचारिक विधाओं में विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षण कि सुविधा उपलब्ध कराता है, जिससे महिला सशक्तिकरण का उदेदश्य फलीभूत हो सके और वे समाज निर्माण व राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में अपनी भूमिका प्रतिबद्धता के साथ सुनिश्चित कर सके।

संगोष्ठी विषय

समुदाय, समाज एवं राष्ट्र निर्माण में आदिकाल से ही महिलाओं की ऐतिहासिक भूमिका रही है। भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के उन्नयन में भारतीय नारी एक आदर्श भूमिका में रही है। परंतु दशकों से वैश्विक स्तर पर पुरूष प्रधानता, राजनैतिक एवं सामाजिक परिवेश तथा पाश्चात्य अकादमिक विमर्श ने भारतीय नारी की छवि को कमजोर एवं पिछड़ेपन के रूप में ही प्रतिबिम्बित किया है। पश्चिमी विद्वानों ने अपने लेखन एवं विमर्श के माध्यम से भारतीय नारी को रूढ़िवादी और संकीर्ण विचारों से प्रेरित प्रदर्शित किया है। परन्तु भारतीय नारी की यह छवि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर समय के साथ परिवर्तित हो रही है। हालांकि आज महिला प्रगति और विकास के हर क्षेत्र में निर्णायक भूमिका का निर्वहन कर रही है, फिर भी उनकी सृजनात्मकता, विचारों की नूतनता व निर्णय लेने की क्षमता को कमतर ही आंका गया है।

उक्त विषयों के संदर्भ में प्रस्तावित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय महिला की वास्तविक छवि, समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय योगदान, सृजनात्मकता एवं विकास की मुख्य धारा में उनके अतुलनीय योगदान को परिलक्षित करना है। विषय के इस मूल विचार के साथ संगोष्ठी के उद्देश्य निम्नवत् है।

- भारतीय नारी की वास्तविक छवि के भाव को परिलक्षित करना।
- विभिन्न विषयों एवं अध्ययनों तथा शोध पत्रों पर विमर्श एवं चर्चा कर इस विषय पर सारगर्भित विचारशील विमर्श एवं मंथन की शुरूआत करना।
- देश की आर्थिकी, राजनीति, समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करना।
- अकादमिक जगत में पाश्चात्य केंद्रित महिला विर्मश के स्थान पर भारतीय महिला केंद्रित अकादमिक परिप्रेक्ष्य को प्रोत्साहित करना एवं इस विमर्श को राष्ट्र चिंतन की मुख्य धारा में सम्मिलत करना।
- भारतीय महिला के द्वारा परिवार, समाज एवं राष्ट्रीय फलक में सार्थक भूमिका को पुनः परिभाषित कर भारतीय समाज के निर्माण में उसके योगदान को उजागर करना।
- भारतीय महिला को समृद्ध परंपरा, संस्कृति एवं जीवन शैली के दृष्टिकोण के अनुरूप पुनः परिभाषित कर अकादमिक विमर्श में स्थापित करना ।
- भारतीय महिला एवं मातृत्व के भाव को शैक्षणिक जगत में शोध व अध्ययन हेतु प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना।
- भारतीय महिला के सशक्तिकरण एवं नीति निर्धारण में उनकी भूमिका को रेंखाकित कर संदर्भित विषय वस्तु आधारित शोध को प्रोत्साहित करना तथा शैक्षणिक-अकादमिक अध्ययन व नीति निर्माण में परस्पर सामंजस्य स्थापित करना।
- विषय वस्तु आधारित विमर्श में बुद्धिजीवियों, शोधार्थी, शिक्षाविद्, नीति निर्धारक, लोक सेवक एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदानरत् महिलाओं को मंच प्रदान करना।

उप विषय

1. महिला एवं पर्यावरण: माता भूमि पुत्रोहं पृथिव्या
2. हिस्ट्री या इतिहास: वक्ता और श्रोता
3. गृहणी और आर्थिक योगदान के नये परिमाण: योगक्षेमं वाहम्यहम्
4. महिला: आर्थिक सशक्तिकरण एवं निर्णय क्षमता
5. मीडिया एवं भारतीय महिला का यथार्थ
6. भारतीय महिला: ट्रेडिशन टू टेक्नोलॉजी
7. महिला स्वास्थ्य एवं परिवार पर प्रभाव: आरोग्यंम् धनसंम्पदा
8. महिला एवं शिक्षा: साक्षरता, संस्कार एवं आत्मसम्मान
9. माँ बच्चे की प्रथम अध्यापक: नयी पीढ़ी का निर्माण
10. बालिका एवं बालिकत्व: वर्तमान एवं भविष्य
11. महिला एवं धर्म धारणा: संस्कृति एवं परम्पराओं का संवर्धन
12. लोक संस्कृति में महिला की स्थिति
13. आत्मनिर्भर भारत में महिला की भूमिका
14. उपभोक्तावादः महिला की स्थिति
15. शिक्षा क्षेत्रः संस्कारी शिक्षिका
16. परिवार, मातृत्व एवं कोविड-19 वैश्विक महामारी
17. भारत की स्वतन्त्रा में मातृ शक्ति का योगदानः स्वधर्मे निधनं श्रेयः
18. महिलाः कृषि एवं विकास
19. भारतीय सशस्त्र बल एवं महिला
20. भारतीय महिला एवं खेलकूद

अभिष्टचिंतन

पूज्य मां साध्वी ऋतम्भरा
मां शान्ता अक्का जी, प्रमुख संघचालिका राष्ट्र सेविका समिति

सलाहकार समिति

लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) श्री गुरमीत सिंह, माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड
श्री भगत सिंह कोश्यारी, माननीय राज्यपाल, महाराष्ट्र
श्रीमती स्मृति ईरानी, माननीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, भारत सरकार
पद्मभूषण श्री वेद प्रकाश नंदा, डेनवर विश्वविद्यालय, अमेरिका
डॉ. लीना गहाणे, उप सलाहकार, नैक, बेंगलुरू

आयोजन सचिव

प्रो. सुरेखा डंगवाल
कुलपति, दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखण्ड़

संयुक्त आयोजन सचिव

डॉ. उज्ज्वला चक्रदेव, कुलपति, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
सुश्री माधुरी मराठे, आयोजन सचिव, संवर्धिनी न्यास, दिल्ली

संगोष्ठी समीति

संगोष्ठी पूर्व वेबीनार/गोष्ठी समीति (एसएनडीटी)

संयोजक

प्रो. मीरा के. देसाई, विभागाध्यक्ष, प्रसार एवं संचार विभाग

सदस्य

डॉ. पुतुल साठे, सह आचार्य एवं अध्यक्ष, आर. सी. डब्ल्यू. एस.
डॉ. नालिनी पाटिल, प्राचार्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पूणे
प्रो. सुभाष पाटिल, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग
प्रो. सुनीता साखरे, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग
डॉ. मनीषा घाटगे , सहायक आचार्य, अंग्रेजी विभाग

आयोजक समिति (दून विश्वविद्यालय)

संयोजक

प्रो. चेतना पोखरियाल, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग

सदस्य

प्रो. एच सी पुरोहित, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

प्रो. हर्ष डोभाल, विजिटिंग प्रोफेसर, स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज

डॉ. एम एस मंद्रवाल, कुलसचिव

श्री सुनील रतूडी, वित्त नियंत्रक

डॉ. नरेंद्र रावल, विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विभाग

डॉ. अरुण कुमार, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग

सुश्री धृति ढौंडियाल, विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफ डिजाइन

डॉ. राजेश भट्ट, मनोविज्ञान विभाग

श्री नरेंद्र लाल, उपकुलसचिव

श्री संजय घिल्डियाल, सहायक कुलसचिव

संगोष्ठी संचार एवं प्रबंधन समीति (संवर्धिनी न्यास)

श्रीमती विजय भारती

श्रीमती रजनी सरीन

श्रीमती निलाक्षी मराठे

आयोजन तिथि: तृतीय सप्ताह, अप्रैल, 2022

संगोष्ठी स्थलः दून विश्वविद्यालय परिसर, देहरादून, उत्तराखंड

संगोष्ठी हेतु संस्थागत सहयोग योगदान

1. भारतीय संस्थानों के लिए एक लाख रुपये
2. अन्तर्राष्ट्रीय संस्थागत सहयोग समझौता ज्ञापन (MoU) के माध्यम से 5000 अमरीकी डॉलर

संगोष्ठी हेतु संस्थागत सहयोग योगदान हेतु बैंक विवरण

'Bhartiya Women Conference'
Punjab National Bank Branch: Vidhan Sabha , Dehradun Uttarakhand
Account Number: 4422000101307020
IFS code: PUNB0442200

पंजीकरण शुल्क

1. भारतीय प्रतिभागियों के लिए 1000 रु
2. विदेशी प्रतिभागियों के लिए 70 अमरीकी डॉलर

महत्वपूर्ण तिथियॉ

सारांश : 15 मार्च, 2022
शोध पत्र : 25 मार्च, 2022
पंजीकरण : 25 मार्च, 2022

Click Here for Registration & Payment by Bhartiya Participants holding Indian Bank Accounts/Cards

Foreign Participants: Please write to conf.narayaneema@gmail.com and Payment Details will be provided

संगोष्ठी मेल आई डी : conf.narayaneema@gmail.com
मोबाइल नं. : 9690368082

शोध पत्र सारांश/शोध पत्र जमा करने हेतु सूचना

संगोष्ठी के आयोजक प्रस्तुत विषय के विभिन्न उप विषयों पर आधारित सारगर्भित मौलिक शोध पत्रों एवं शोध सारांश को निर्धारित तिथि के अन्दर निम्न दिशानिर्देशो के अनुरूप आमांत्रित करते है:

1. शोध पत्र/लेख की भाषा भारतीय भाषा पर आधारित होनी चाहिए व शोध पत्र भारतीय संदर्भ साहित्य पर केंद्रित हो।
2. समस्त शोध पत्र डबल स्पेस ढाई इंच एवं एक इंच के मार्जन पर एम. एस. वर्ड फाइल में टाइप होने चाहिए एवं ईमेल द्वारा स्वीकार कियें जायेंगे
3. समस्त शोध पत्रों/ सारांश में लेखक का नाम, पदनाम, संस्था का नाम, ई-मेल, मोबाइल नं. स्पष्ट रूप से अंकित हो। शोध सारांश 150 शब्दों की सीमा के अंदर हो।
4. शोध पत्र 3500 शब्द सीमा के अंदर हो।
5. सभी प्रतिभागी 15 मार्च, 2022 से पूर्व अपना शोध सारांश ई-मेल के माध्यम से (conf.narayaneema@gmail.com) जमा करेंगे और शोध सारांश के परीक्षण के उपरांत प्रतिभागियों को सूचित किया जाएगा।
6. शोध सारांश के अनुमोदन के उपरांत प्रतिभागी अपना शोध पत्र 25 मार्च, 2022 तक ई-मेल के माध्यम से (conf.narayaneema@gmail.com) जमा करेंगे।
7. शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण से संबंधित समस्त अधिकार आयोजन समीति के पास सुरक्षित होंगे।
8. संगोष्ठी में प्रतिभागियों को आमंत्रण उनके शोध पत्रों के अनुमोदन के अनुसार दिया जायेगा।

प्रतिभागियों एवं शोधार्थियों हेतु महत्वपूर्ण निर्देश

1. प्रतिभागी को संगोष्ठी आईडी पंजीकृत फॉर्म, पंजीकरण शुल्क एवं शोध पत्र जमा करने के उपरान्त निर्गत की जायेगी।

2. एक शोध पत्र में एक से अधिक लेखक होने की दशा में सभी को पंजीकरण करना अनिवार्य है।

3. यदि एक प्रतिभागी एक से अधिक शोध पत्र जमा करता है तो उन्हें प्रति शोधपत्र 1000 रूपया या 70 अमरीकी डॉलर (जो लागू होता हो) पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा।

4. सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को संगोष्ठी प्रमाण पत्र प्रतिभाग करने के उपरांत ही (भौतिक या ऑनलाइन) निर्गत कियें जायेंगे।

5. भारतीय संदर्भ ग्रथों एवं भारतीय भाषाओं पर आधारित शोध पत्रों को उच्च कोटि के शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किये जायेंगे।

6. शोध पत्रों का चयन त्रिस्तरीय चरणों में किया जायेगा-
- प्रस्तुतीकरण एवं प्रकाशन हेतु चयन
- सिर्फ प्रकाशन हेतु चयन
- कल्पना सरोवर/पोस्टर प्रस्तुतीकरण हेतु चयन

7. संगोष्ठी हेतु शोध पत्रों से संबंधित संदेश/ सूचना का अधिकार आयोजन समीति के पास सुरक्षित है।

भारतीय महिलाः सत्य आधारित दृष्टिकोण

पंजीकरण फॉर्म

(For those who have not registered online)

प्रतिभागी का नाम : ----------

उच्चतम् शैक्षिक योग्यता: ----------

पदनाम: ----------

पत्राचार हेतु पता: ----------

शहर/राज्य: ----------

ईमेल: ---------- **मोबाइल न.** ----------

विश्वविद्यालय/संस्था का नाम: ----------

शोध पत्र का शीर्षक: ----------

शोध पत्र की भाषा: ----------

शोध शुल्क जमा विवरण आईडी: ----------

बैंक का नाम: ----------

खाता धारक का नाम: ----------

बैंक खाता संख्या: ----------

धनराशि: ----------

मैंने प्रतिभागी एवं लेखक संबंधित समस्त निर्देश इस संगोष्ठी प्रपत्र के माध्यम से पढ़ लियें हैं, मैं संगोष्ठी से संबंधित समस्त निर्देशों एवं नियमों का पालन करने हेतु सहमति देती/देता हूँ।

हस्ताक्षर एवं नाम

यह फॉर्म Adobe Acrobat पर भरा जा सकता है . कृपया ईमेल पर सबमिट करें : conf.narayaneemaa@gmail.com